



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 590]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 30, 1984/अग्रहायण 9, 1906

No. 590]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 30, 1984/AGRAHAYANA 9, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1984

(क) "धारा" से अधिनियम की कोई धारा अभिप्रेत है।

ऐसे सभी अन्य शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अधिनियम में है।

का. आ. 896(अ).—केन्द्रीय सरकार, इनचैक टायर्स लिमिटेड और नेशनल रबड़ मैनुफैक्चरर्स लिमिटेड (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1984 (1984 का 17) की धारा 31 की उपधारा (2) के खंड (क) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम इनचैक टायर्स लिमिटेड और नेशनल रबड़ मैनुफैक्चरर्स लिमिटेड (राष्ट्रीयकरण) (किसी सम्पत्ति में बंधक, भार, धारणाधिकार या अन्य हित से संबंधित सूचना) नियम, 1984 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषा.—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) "अधिनियम" से इनचैक टायर्स लिमिटेड और नेशनल रबड़ मैनुफैक्चरर्स लिमिटेड (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1984 है।

3. सूचना के लिए समय की परिसीमा.—किसी ऐसी सम्पत्ति का जो अधिनियम के अधीन यथास्थिति, केन्द्रीय सरकार में या किसी विद्यमान या नई सरकारी कंपनी में निहित हो गई है, प्रत्येक बंधकदार और किसी ऐसी संपत्ति में या उसके संबंध में कोई भार, धारणाधिकार या अन्य हित धारण करने वाला प्रत्येक व्यक्ति आयुक्त को ऐसे बंधक, भार, धारणाधिकार या अन्य हित की सूचना ऐसी तारीख से जो केन्द्रीय सरकार द्वारा धारा 18 के अधीन विनिर्दिष्ट की जाए, तीस दिन की अवधि के भीतर देगा ;

परन्तु यदि आयुक्त का यह समाधान हो जाता है कि बंधकदार या कोई भार धारणाधिकार या अन्य हित धारण करने वाला व्यक्ति तीस दिन को उक्त अवधि के भीतर सूचना देने से पर्याप्त हेतु के कारण निवारित हो गया था तो वह ऐसे कारणों को लेखबद्ध करने के पश्चात् तीस दिन की अतिरिक्त अवधि के भीतर सूचना प्राप्त कर सकता, किन्तु उसके पश्चात् नहीं।

4. सूचना की रीति.—(1) नियम 3 के अधीन आयुक्त को दी जाने वाली प्रत्येक सूचना लिखित में होगी और आयुक्त को संबोधित होगी और उसमें निम्नलिखित विशिष्टियां होंगी, अर्थात् :—

- (क) बंधकदार का या किसी ऐसी संपत्ति में या उसके संबंध में भार धारणाधिकार या अन्य हित धारण करने वाले व्यक्ति का नाम, विवरण और पूरा पता ;
- (ख) ऐसे उपक्रम का नाम जिसके संबंध में दावा किया गया है ;
- (ग) दावे की रकम (भारतीय करेंसी में) ;
- (घ) यदि कोई लिखत हो तो उसकी विशिष्टियां, जिसके द्वारा बंधक, भार, धारणाधिकार या अन्य हित प्रतिभूत किया गया है, जो लिखत को प्रमाणित प्रति द्वारा समर्थित होगा ;
- (ङ) पहले ही से प्राप्त रकम, यदि कोई हो, और उसकी विशिष्टियां
- (च) दावे से सुसंगत कोई अन्य विशिष्टियां ;
- (छ) राहत जिसका दावा किया गया है
- (2) प्रत्येक सूचना बंधकदार द्वारा या भार धारणाधिकार या अन्य हित धारण करने वाले व्यक्ति या उसके द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा सम्यक् रूप से हस्ताक्षरित और सत्यापित की जाएगी।
- (3) सूचनाएं, सभी कार्य दिवसों पर कार्यालय समय के दौरान 15 गणेश चन्द्र एवेन्यू कलकत्ता-700013 स्थित आयुक्त के कार्यालय में फाइल की जा सकेंगी या रसीदी रजिस्ट्री डाक द्वारा आयुक्त को भेजी जा सकेंगी।

[फा. सं. 9/11/84-एल आर]

ए. पी. सरवान, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 30th November, 1984

S.O. 896(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1), read with clause (a) of sub-section (2) of section 31 of the Inchek Tyres Limited and National Rubber Manufacturers Limited (Nationalisation) Act, 1984 (17 of 1984), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement :—(1) These rules may be called the Inchek Tyres Limited and National Rubber Manufacturers Limited (Nationalisation) Intimation regarding Mortgage, Charge, Lien or other Interest in any property) Rules, 1984.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Definition :—In these rules, unless the context otherwise requires :—

- (a) "Act" means the Inchek Tyres Limited and National Rubber Manufacturers Limited (Nationalisation) Act, 1984.
- (b) "section" means a section of the Act.
- (c) all other words and expressions used in these rules and not defined but defined in the Act, shall have the meanings respectively assigned to them in that Act.

3. Time limit for intimation :— Every mortgagee of any property which has vested under the Act in the Central Government or in an existing, or a new Government company, as the case may be, and every person holding any charge, lien or other interest in, or in relation to, any such property shall give intimation of such mortgage, charge, lien or other interest to the Commissioner within a period of thirty days from such date, as may be specified by the Central Government under section 18.

Provided that if the Commissioner is satisfied that the mortgagee or the person holding any charge, lien or other interest was prevented by sufficient cause from giving the intimation within the said period of thirty days, he may after recording reasons in writing receive the intimation within a further period of thirty days and not thereafter.

4. Manner of intimation :— (1) Every intimation to be given to the Commissioner under rule 3 shall be in writing addressed to the Commissioner and shall contain the following particulars namely :—

- (a) Name, description and full address of the mortgagee or the person holding charge, lien or other interest in or in relation to such property;
- (b) name of the undertaking in respect of which the claim made;
- (c) amount of claim (in Indian currency);
- (d) particulars of the instrument, if any by which the mortgage, charge lien or other interest is secured; supported by an attested copy of the instrument;
- (e) amount, if any, already received, with particulars;
- (f) any other particulars relevant to the claim;
- (g) relief claimed;

(2) Every intimation shall be duly signed and verified by the mortgagee, or the person holding the charge, lien or other interest or by a person duly authorised by him.

(3) Intimations may be filed in the office of the Commissioner at 15, Ganesh Chandra Avenue, Calcutta-700013 on all working days during office hours or may be sent to the commissioner by registered post with acknowledgement due.

[File No. 9/11/84-LR]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.